



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

C. K. 85
10

सं० 554] नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, नवम्बर 15, 1984/कार्तिक 24, 1906
No. 554] NEW DELHI, THURSDAY, NOV. 15, 1984/KARTIKA 24, 1906

इस भाग में भिन्ना पृष्ठ संख्या दी जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वित्त मंत्रालय
(राजस्व विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 15 नवम्बर, 1984

का. आ. 842(अ).—केन्द्रीय सरकार, स्वर्ण (नियंत्रण) अधिनियम, 1968
(1968 का 45) की धारा 109 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान
हो जाने पर कि ऐसा करना लोकीहित में आवश्यक और समीचीन है, प्रत्येक अनुज्ञप्त
व्यवहारी को ऐसे स्वर्ण आभूषणों की बाबत, जो उसकी अनुज्ञप्ति में विनिर्दिष्ट
परिसरों से बाहर विक्रय के लिए भेजे गये हैं, उक्त अधिनियम की धारा 27

की उपधारा 7 के खण्ड (ख) के प्रवर्तन से 31 मार्च, 1985 तक जिसमें वह तारीख भी सम्मिलित है, एतद्वारा सूट होती है।

[सं. 3/84-फा. सं. 131/18/84-ख.नि. 2]

क. श्री दिलीपसिंहजी, अपर सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Revenue)

ORDER

New Delhi, the 15th November, 1984

S.O. 842(E).---In exercise of the powers conferred by section 109 of the Gold (Control) Act, 1968, (45 of 1968), the Central Government, being of opinion that it is necessary and expedient in the public interest so to do, hereby exempts every licensed dealer upto and including the 31st day of March, 1985, from the operation of the provision of clause (b) of sub-section (7) of section 27 of the said Act in respect of gold ornaments sent for sale outside the premises specified in his licence.

[No. 3/84-F. 131/18/84-GC-II]

K. S. DILIPSINHJI, Addl. Secy.